Atal Bhujal Yojana Haryana

6th Module Training

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा

THE WORLD BANK

युवा मित्र Yuva Mitra

Shaping Sustainable Development..

1st मोड्यूल की ट्रेनिंग से 5th मोड्यूल की ट्रेनिंग तक का विवरण

पहले प्रशिक्षण में हमने सिखा

- ✓ अटल भूजल योजना के बारे मे जानकारी
- ✓ अटल भूजल योजना कि पृष्ठभूमी
- ✓ अटल भूजल योजना का उद्देश
- ✓ अटल भूजल योजना का परिचय
- ✓ देश , हरयाणा राज्य एवं आपके जिले कि पाणी कि स्थिती
- ✓ वर्ष २०२२ भूजल का स्तर और गुणवत्ता के बरे मी विस्तृत चर्चा
- ✓ चार सूत्री रणनीती, मुख्य घटक
- ✓ भूजल डेटा/ सूचना और रिपोर्ट का सार्वजनिक प्रकटीकरण
- ✓ समुदाय नेतृत्व वाली जल सुरक्षा योजना
- ✓ संभवित अभिसरण योजना वित्तीय / तकनीकी
- ✓ कुशल जल उपयोग के लिये प्रथाओ को अपनाना
- ✓ पानी कि मांग को काम करने जाने वाले उपाय
- ✓ शासकीय योजनाये
- ✓ योजना कि संस्थागत व्यवस्था/ भागीदारी संस्थाये
- ✓ भूजल प्रबंधन मे किसानो कि भागीदारी
- ✓ जल मापक उपकरण

दुसरे प्रशिक्षण में हमने सिखा

- ✓ ग्राम स्तर पर जल सुरक्षा वाली योजना का क्रीयान्वन
- ✓ समुदाय नेतृत्व वाली जल सुरक्षा योजना
- ✓ जल सुरक्षा योजना तयार करने के लिये आवश्यक जानकारी
- ✓ गाव मे उपलब्ध पानी
- ✓ पानी का बजट
- ✓ पानी कि मांग को कम करने जाने वाले उपाय
- ✓ गाव कि जल सुरक्षा योजना
- ✓ **WSP** कार्यान्वय से संबंधित सरकारी योजना
- ✓ **VWSC** की भूमिका
- ✓ प्रशिक्षण के अपेक्षित परिणाम

तिसरे प्रशिक्षण में हमने सिखा

- ✓ डेटा संग्रह उपकरण
- ✓ वर्षा जलसंचय आवश्यक क्यो है
- ✓ मोटा अनाज परिचय , खाने के फायदे (बाजरा, रागी)
- ✓ **WSP** मे महिलाओं की भागीदारी

चौथे प्रशिक्षण में हमने सिखा

- ✓ किसान अध्ययन यात्रा
- ✓ उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाना
- ✓ रोग प्रबंधन और रोकथाम
- ✓ मिट्टी और पानी की गुणवत्ता का ज्ञान
- ✓ एम.आई./ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से पानी का कुशल उपयोग
- ✓ अटल भू जल योजना के तहत बागवानी योजनाएं और रूपांतरण योजनाएं
- ✓ फर्टिगेशन

पाचवे प्रशिक्षण में हमने सिखा

- ✓ कपास कि खेती मे ड्रीप एव मिनी फवारा का उपयोग
- ✓ लेजर लँड लेवलिंग का उपयोग तथा फायदे
- ✓ पानी कि मांग को कम करने जाने वाले उपाय
- ✓ जल संरक्षण हेतू नारे
- ✓ कृषि की आधुनिक तकनीक और सब्सिडी का लाभ
- ✓ एमआई के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए एसओपी
- ✓ ग्राम पंचायत स्तर पर लगाए जा रहे सन बोर्ड
- ✓ डीएलआई#1 के तहत डेटा डिस्प्ले
- ✓ प्रशिक्षणार्थियों की ग्राम पंचायत में ABY के कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका
- ✓ प्रशिक्षणार्थियों की ग्राम पंचायत में ABY के कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका

मृदा संरक्षण

मृदा संरक्षण और उसका स्वास्थ्य

- ✓ मृदा संरक्षण का महत्व और उसका स्वास्थ्य पर प्रभाव
- ✓ बुरी तरह से प्रभावित हुई मृदा के प्रमुख लक्षण
- ✓ जल और पानी के बिना मृदा के प्रदूषण के प्रमुख कारण
- ✓ मृदा संरक्षण के लिए उपाय (बुरी तरह से प्रभावित हुई मृदा की पुनर्स्थापना, जल संयंत्रों का उपयोग, वर्षा जल संचय आदि)
- ✓ मृदा स्वास्थ्य की देखभाल और उसके लिए प्रभावी उपाय (प्रचार-प्रसार कार्यक्रम, किसानों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना, गुणवत्ता नियंत्रण की जांच आदि)

मृदा संरक्षण कि विधिया

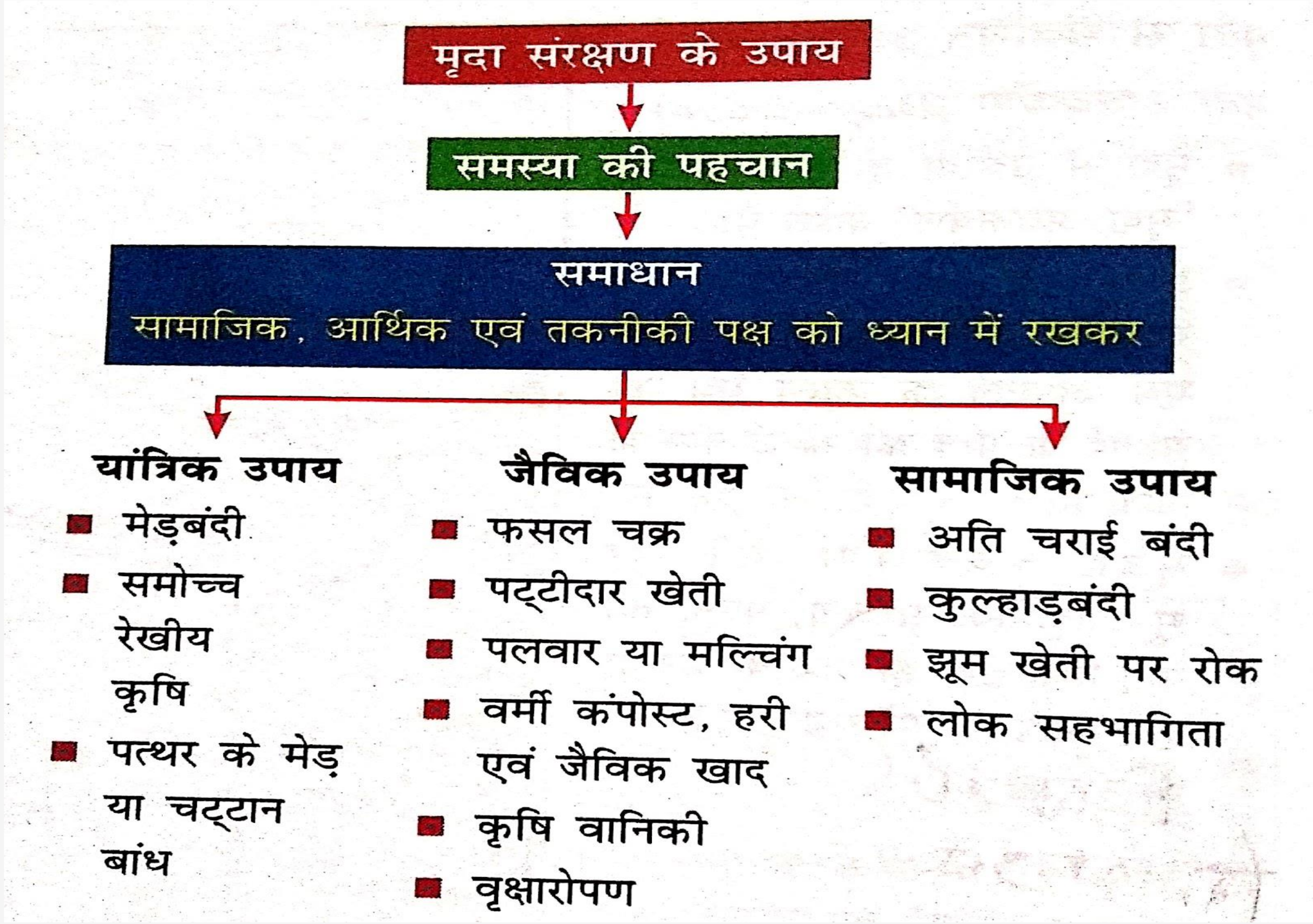

जैविक खेती और उसके लाभ

जैविक कृषि से अभिप्राय कृषि की ऐसी प्रणाली से है, जिसमें रासायनिक खादों एवं कीटनाशक दवाओं का प्रयोग नहीं हो बल्कि उसके स्थान पर जैविक खाद या प्राकृतिक खादों का प्रयोग हो|

जैविक खेती से होने वाले लाभ

- भूमि की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हो जाती है।
- सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है।
- रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने से लागत में कमी आती है।
- फसलों की उत्पादकता में वृद्धि।
- बाज़ार में **जैविक** उत्पादों की मांग बढ़ने से किसानों की आय में भी वृद्धि होती है |

जैविक खेती

हरी खाद
वर्मीकम्पोस्ट
जैविक प्रबंधन
जैविक खेती
पशुपालन
खाद
neew
RHIZO
Contains selective strains of Rhizobium spp.
जैव उर्वरक
फसल सुरक्षा

बागवानी आधारित सटीक कृषि तकनीक

पॉलीहाउस

- ✓ पॉलीथीन से बना एक रक्षात्मक छायाप्रद घर है जिसका उपयोग उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों को उत्पन्न करने के लिये किया जाता है।
- ✓ पॉलीहाउस नियंत्रित तापमान में फसल उगाने में काफी फायदेमंद होता है
- ✓ जिससे फसल को नुकसान होने की संभावना कम होती है।
- ✓ पॉलीहाउस के अंदर कीट, कीड़ों और बीमारियों के फैलने की संभावना कम होती है, जिससे फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है।
- ✓ इसलिए पॉलीहाउस खेती की बाधाओं से लड़ने में काफी प्रभावी है।

बागवानी आधारित सटीक कृषि तकनीक

मल्चिंग -
जिसमें पौधों के चारो ओर की जमीन को सुव्यवस्थित रूप से ढक दिया जाता है। यह मल्चिंग दो प्रकार की होती है। पहली-प्राकृतिक मल्चिंग (पुआल, भूसा, सूखी घास, गन्ने की पत्तियों, फसल अवशेष) का प्रयोग कर तथा दूसरी प्रकार से प्लास्टिक मल्चिंग के द्वारा (पोलिथीन शीट)

मल्चिंग के फायदे –

नमी बनाए रखने, खरपतवार की वृद्धि को कम करने, मिट्टी के कटाव को कम करने और मिट्टी की स्थिति में सुधार करने के लिए है।
मल्चिंग (मल्च लगाना) फसल की पैदावार में सुधार करने और पानी के उपयोग को अनुकूलित करने में मदद करता है।

कृषि-वानिकी और इसके लाभ

कृषी फसलों (फसल उत्पादन) के साथ-साथ पेड़ पौधों को भी उगाना, ताकि अन्न उत्पादन के साथ-साथ ईंधन के लिए लकड़ी हरा-चारा, जीवांश खाद की भूमि में वृद्धि आदि का लाभ भी मिल सके, कृषि वानिकी में आता है, जैसे – गेहूं+पॉपलर पद्धति।

कृषि वानिकी लाभ –

- ✓कृषि वानिकी को सुनिश्चित कर खाद्यान्न को बढ़ाया जा सकता है।
- ✓बहुउद्देश्यीय वृक्षों से ईंधन, चारा व फलियां, इमारती लकड़ी, रेशा, गोंद, खाद आदि प्राप्त होते हैं।
- ✓कृषि वानिकी के द्वारा भूमि कटाव की रोकथाम की जा सकती है और भू एवं जल संरक्षण कर मृदा की उर्वरा शक्ति में वृध्दि कर सकते हैं।
- ✓ इस पध्दति के द्वारा ईंधन की पूर्ति करके 500 करोड़ मीट्रिक टन गोबर का उपयोग जैविक खाद के रूप में किया जा सकता है।

कृषि-वानिकी और इसके लाभ

- ✓ वर्षभर गांवों में कार्य उपलब्धता होने के कारण शहरों की ओर युवकों का पलायन रोका जा सकता है।
- ✓ पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में इस पध्दति का महत्वपूर्ण योगदान है।
- ✓ कृषि वानिकी में जोखिम कम है। सूखा पड़ने पर भी बहुउद्देशीय फलों से कुछ न कुछ उपज प्राप्त् हो जाती है।
- ✓ कृषि वानिकी पध्दति से मृदा-तापमान विशेषकर ग्रीष्म ऋतु में बढ़ने से रोका जा सकता है जिससे मृदा के अंदर पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणुओं को नष्ट होने से बचाया जा सकता है, जो हमारी फसलों के उत्पादन बढ़ाने में सहायक होते है।
- ✓ बेकार पड़ी बंजर, ऊसर, बीहड़ इत्यादि अनुपयोगी भूमि पर घास, बहुउद्देशीय वृक्ष लगाकर इन्हें उपयोग में लाया जा सकता है और उनका सुधार किया जा सकता है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रगतिशील किसानों की पहचान और प्रतिभागियों के साथ उनकी कहानी साझा करना।

- ✓ प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रगतिशील किसानों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण और जांच कार्यक्रम आयोजित करे
- ✓ प्रतिभागियों को संग्रहीत करें और उनके साथ वार्तालाप करें, उनकी अनुभव सुनें और संदर्भ का आकलन करें
- ✓ प्रत्येक प्रगतिशील किसान की कहानी, उनकी कठिनाइयाँ, सफलताएं, उनकी उपलब्धियां और उनके सामरिक पहल को समझने के लिए समय निकालें।
- ✓ किसानों की पहचान और किसानों की कहानियों को प्रतिभागियों के साथ साझा करें, ताकि वे अन्य किसानों के साथ अपने अनुभव और सफलताओं को साझा कर सकें।
- ✓ प्रतिभागियों के बीच किसानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिभागी गतिविधियों, वर्कशॉप्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें।
- ✓ प्रतिभागियों के साथ किसानों के बीच जागरूकता और अनुसरण के लिए वार्ड स्तर पर परिषदें, किसान सभाएं और किसानों के सम्मेलनों का आयोजन करें।

वर्षा जल संचयन और पसंदीदा संरचनाएं (जैसे छत पर वर्षा जल संचयन, पुनर्भरण शाफ्ट, सोख गड्ढे आदि)

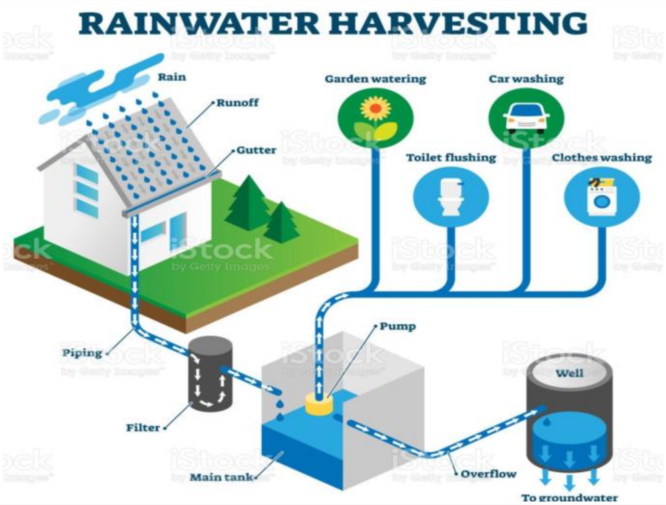

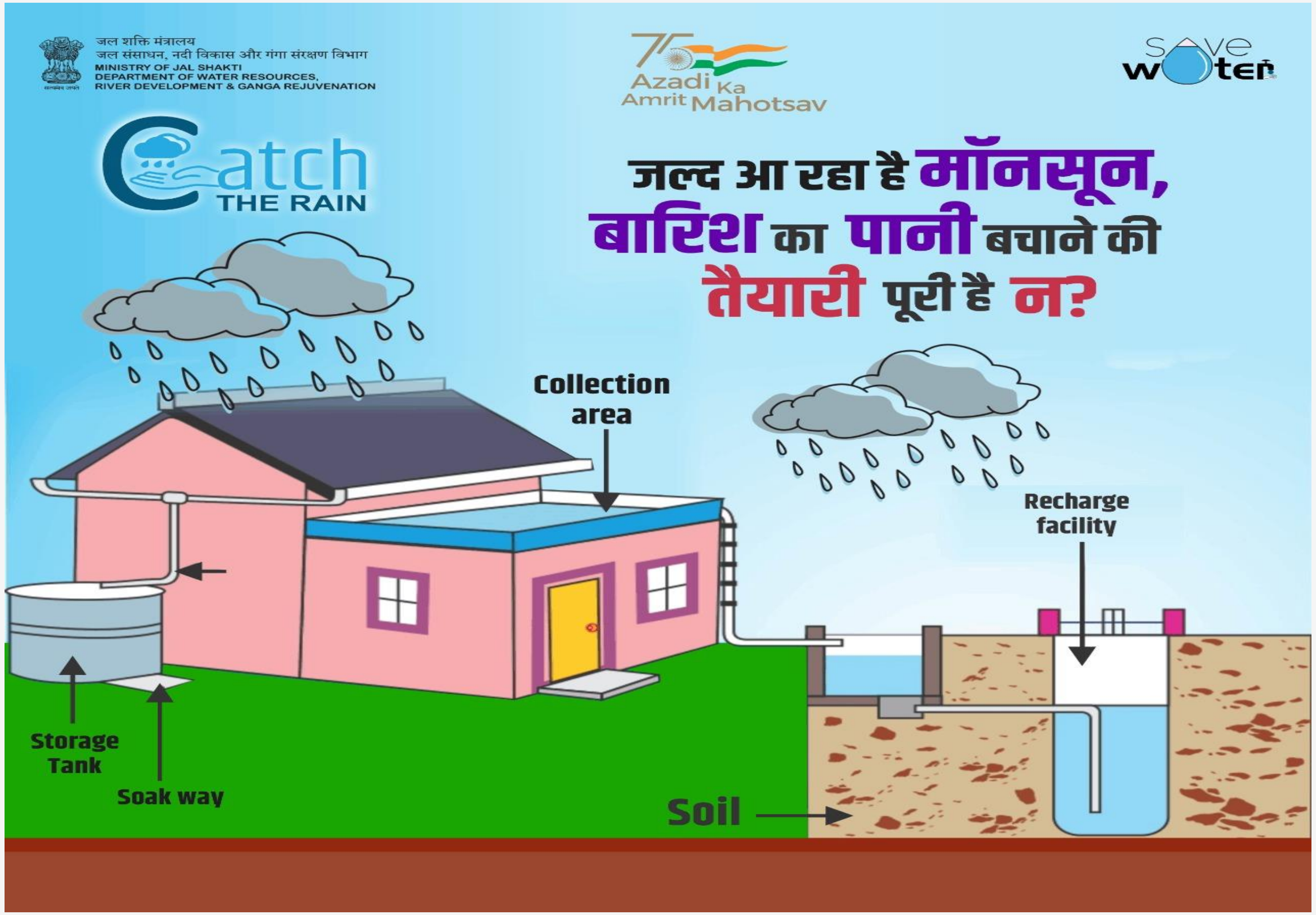

घर से थोड़ी दूर पर २ से ३ मीटर गहरा गड्ढा खोदकर, गड्ढे को ईट, कंकड़ और बजरी से भर देते हैं। फिर उसके ऊपर मोटी रेत डालते हैं। इस गड्ढे में छत पर गिरने वाले वर्षा के स्वच्छ जल को इकट्ठा करते हैं। विद्यमान बोर वैल में भी फ़िल्टर के माध्यम से जल डाल सकते हैं।

वर्षा जल संचयन और पसंदीदा संरचनाएं (जैसे छत पर वर्षा जल संचयन, पुनर्भरण शाफ्ट, सोख गड्ढे आदि)

सामान्यत: रिचार्ज शॉफ्ट अपेक्षाकृत कम लागत की रिचार्ज संरचना होती है। इसका व्यास 2 मीटर अथवा अधिक तथा गहराई 8-10 मीटर रखी जा सकती है, जिससे जल संग्रहण की पर्याप्त क्षमता उपलब्ध रहे। अत: शॉफ्ट में परमिएबिल लाइनिंग रखना आवश्यक है।

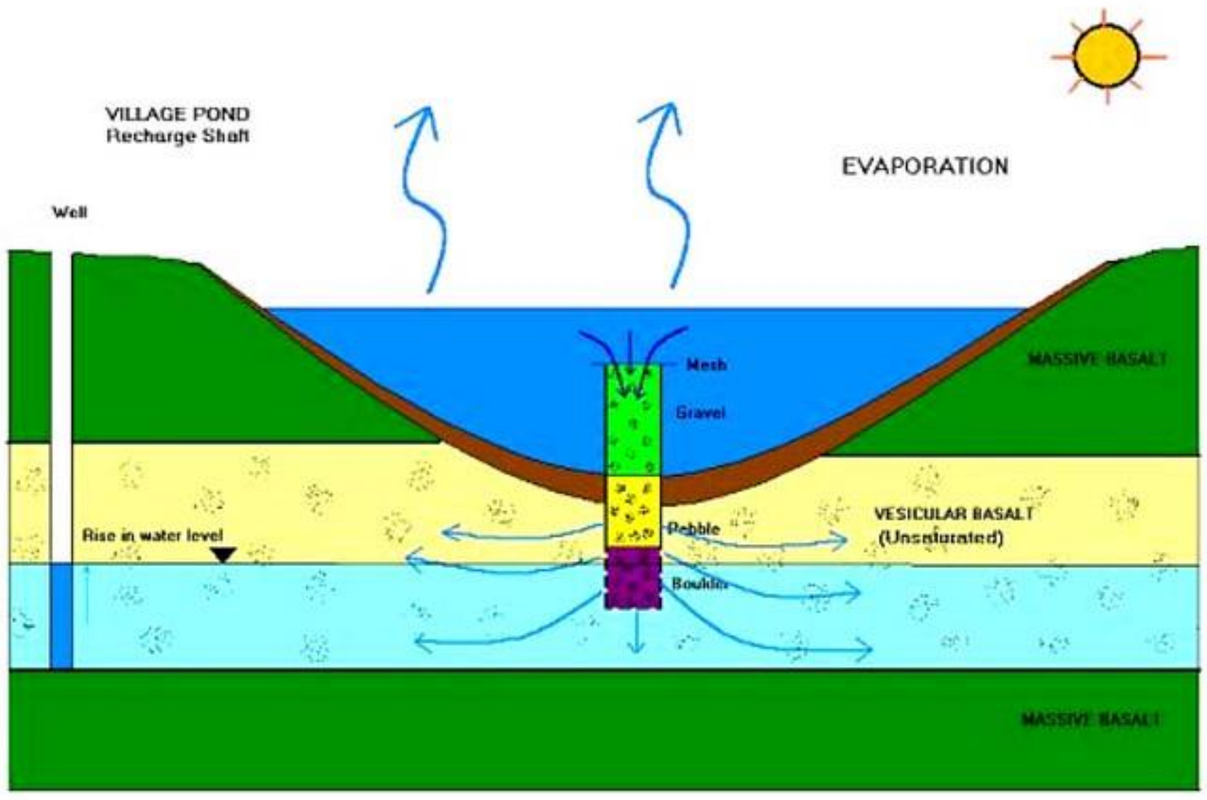

Recharge Shafts in a Village Pond

वर्षा जल संचयन और पसंदीदा संरचनाएं (जैसे छत पर वर्षा जल संचयन, पुनर्भरण शाफ्ट, सोख गड्ढे आदि)

भूमि के जल स्तर को बढ़ाने के लिए पानी सोखा अर्थात पानी सोख्ता गड्ढे का निर्माण किया जाता है लगभग डेढ़ डेढ़ मीटर लंबा चौड़ा एवं गहरा गड्ढा खोदा जाता है आवश्यकतानुसार इसका आकार बढ़ाया भी जा सकता है, जहां हम अनेक जगहों से बहता हुआ बेकार पानी एकत्रित कर सकें ।

यह सेप्टिक टैंक से आने वाले अपशिष्ट जल को धीरे-धीरे अंतर्निहित जमीन में सोखने देने का कार्य करता है।

स्थायी भूजल प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका और अटल भूजल योजना के उद्देश्य

- ✓ महिलाओं की भूमिका स्थायी भूजल प्रबंधन में महत्वपूर्ण है। उन्हें जल संसाधनों के संरक्षण, उपयोग, और प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए।
- ✓ महिलाओं को जल संबंधित प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, और कौशल विकास के लिए संगठित किया जाना चाहिए।
- ✓ अटल भूजल योजना का उद्देश्य है स्थायी भूजल संसाधनों को प्रबंधन करना, उनकी उपयोगिता को बढ़ाना, और भूजल संबंधित समस्याओं का समाधान करना।
- ✓ यह योजना समस्त ग्राम पंचायतों को संगठित करने, जल संबंधित नीतियों और कानूनों के प्रचार-प्रसार करने, जल संबंधित संरचनाओं का निर्माण करने, और जल संबंधित संगठनों की स्थापना करने का लक्ष्य रखती है।
- ✓ यह योजना स्थायी भूजल प्रबंधन के लिए संगठनों, प्रशासनिक अवसरों, तकनीकी सहायता वित्तीय सहायता, और जल संबंधित प्रोजेक्टों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है।

ऑन-फार्म टैंकों का निर्माण और एमआई सिस्टम पर सौर पंपों की स्थापना

- ✓ कृषि और बागवानी फसलों में सूक्ष्म सिचाई के प्रयोग के लिए ऑन-फार्म वाटर टैंक निर्माण के लिए सरकार ने वित्तीय सहायता की नीति लागू की है। इस नीति का उद्देश्य जलस्त्रोत का एकीकरण, वितरण और इसका कुशल उपयोग, उपयुक्त जल बचत, उपकरणों के माध्यम से पानी का सर्वोत्तम उपयोग करना, फसलों की आवश्यकता अनुसार जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है।
- ✓ हर खेत तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य के चलते मी.काडा द्वारा सूक्ष्म सिंचाई व फव्वारा पद्धति के लिए खेतों में सामुदायिक व व्यक्तिगत स्तर पर जल संग्रह के लिए टैंकों का निर्माण करवाया जाएगा। इस योजना को ऑन फार्म तालाब नीति का नाम दिया गया है, इस योजना का लाभ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगा। सामुदायिक योजना के तहत 85 प्रतिशत तथा व्यक्तिगत पर 70 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जाएगी।
- ✓ सामुदायिक योजना में विभाग स्वयं टैंक का निर्माण करवाएगा, जबकि व्यक्तिगत के लिए निर्माण खेत के मालिक द्वारा करवाया जाएगा, जिस पर 70 प्रतिशत सब्सिडी तीन चरणों में दी जाएगी, जिसमें पहली टैंक की खुदाई के समय, दूसरी टैंक के निर्माण होने पर तथा अंतिम सब्सिडी किश्त सूक्ष्म प्रणाली के माध्यम से खेत में सिंचाई होने पर दी जाएगी। ये तीनों सब्सिडी निर्माण कार्य खर्च पर अलग.अलग आधारित होंगी। सिंचाई के लिए सोलर सिस्टम लगाया जाएगा।

सोलर वाटर पम्प सिस्टम के लिए आवेदन कैसे करें

- ✓ सबसे पहले सरल हरियाणा ऑफिसियल वेबसाईट saralharyana.gov.in पर विज़िट करें।
- ✓ यदि सरल हरियाणा पोर्टल पर आपका अकाउंट बना हुआ है तो लॉगिन करें यदि नहीं बना हुआ है तो पहले अपना अकाउंट बना लें। (अकाउंट बनाने के लिए होम स्क्रीन पर दिए New User? Register Here बटन पर क्लिक करें।)
- ✓ लॉगिन करने के बाद बाईं तरफ मेनू मे Apply for Service पर क्लिक करें। व उसके बाद View All Available Services पर क्लिक करें।
- ✓ उसके बाद आपको हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की सूची दिखाई देगी। इसके सर्च बार मे solar लिखकर सर्च करें।
- ✓ उसके बाद आपको लिस्ट मे Appplication for Solar Water Pumping Scheme लिखा दिखाई देगा। उस पर क्लिक करें।
- ✓ उसके बाद अगले विंडो मे Farmer Declaration Form दिखाई देगा, उसे डाउनलोड कर लें। व Proceed to Apply पर क्लिक करें।
- ✓ उसके बाद हरियाणा सोलर वाटर पम्प सिस्टम के लिए आवेदन फॉर्म भरें व जो भी जानकारी मांगी गई उसे दर्ज करें।

मनोहर सरकार **विकास अपार**

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान

हरियाणा के किसानों को सोलर पंप पर 75 प्रतिशत अनुदान

प्रदेश के 50,000 किसानों को 3 एच.पी. से 10 एच.पी. क्षमता के सोलर पंप पर 75 प्रतिशत सब्सिडी देने की योजना। पात्र किसान (जिन्होंने सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली/भूमिगत पाइप लाइन लगाई हो अथवा लगाने को सहमत हो) सौर पंप लगा कर सिंचाई कर सकते हैं। प्रथम चरण में इस वर्ष 15,000 सोलर पंप लगाने के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

सोलर ट्यूबवैल लगवाने के लाभ

- दिन के समय की जा सकेगी पर्याप्त सिंचाई
- बिजली के बिल से छुटकारा
- पर्यावरण के अनुरूप व प्रदूषण रहित बिजली
- पहले 5 साल तक रख–रखाव का खर्च नहीं
- बिजली कटों से छुटकारा
- एक बार का नाममात्र खर्च जोकि पारंपरिक बिजली नलकूप से बहुत कम

अनुमानित लागत

पंप की क्षमता	अनुमानित लागत (पांच साल के रख–रखाव सहित)	सरकार द्वारा अनुदान राशि (75%)	उपभोक्ता द्वारा देय राशि (अनुमानित)
3 एच.पी.	2,35,000	1,76,250	58,750
5 एच.पी.	3,33,000	2,49,750	83,250
7.5 एच.पी.	4,78,000	3,58,500	1,19,500
10 एच.पी.	6,10,000	4,57,500	1,52,500

आवेदन सरल पोर्टल **www.saralharyana.gov.in** पर **16.08.2019** से ऑनलाइन किया जा सकता है।

अधिक जानकारी के लिए

अपने जिले के अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय अथवा नोडल अधिकारी **9872955129** से संपर्क करें

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा

अक्षय ऊर्जा भवन, सेक्टर–17, पंचकूला, दूरभाष: 0172–2587233, 2587833

ई–मेल: hareda-chd@nic.in, वेबसाइट: www.hareda.gov.in

Sr. No.	Type and capacity of solar pump	* अनुमानित उपभोक्ता देय राशि
1	3 HP DC, Surface (Monoblock) with normal Controller	55,000
2	3 HP DC, Submersible with Normal Controller	56,000
3	5HP Surface (Monoblock) with Normal Controller	78,000
4	5 HP Submersible (Monoblock) with Normal Controller	79,000
5	7.5 HP DC Surface (Monoblock) with Normal Controller	1,11,000
6	7.5 HP DC, Submersible with Normal Controller	1,12,000
7	10 HP DC, Submersible with Normal Controller	1,37,000
8	10 HP DC Surface (Monoblock) with Normal Controller	1,39,000
9	3HP DC, Surface (Monoblock) with Universal Solar Pump Controller	80,000
10	3HP DC, Submersible with Universal Solar Pump Controller	83,000
11	5HP DC, Surface (Monoblock) with Universal Solar Pump Controller	1,02,000
12	5HP DC, Submersible with Universal Solar Pump Controller	1,05,000
13	7.5 HP DC, Surface (Monoblock) with Universal Solar Pump Controller	1,54,000
14	7.5 HP DC, Submersible with Universal Solar Pump Controller	1,67,000
15	10 HP DC, Surface (Monoblock) with Universal Solar Pump Controller	2,05,000
16	10 HP DC, submersible with Universal Solar Pump Controller	2,12,000

सोशल ऑडिट

कोई नीति, कार्यक्रम या योजना से वांछित परिणाम हासिल हो पा रहा है या नहीं? उनका क्रियान्वयन सही ढंग से हो रहा है या नहीं? इसकी छानबीन यदि जनता स्वयं करे तो उसे सोशल ऑडिट कहते हैं।

सोशल ऑडिट किसी संगठन के सामाजिक और नैतिक प्रदर्शन को मापने, समझने, रिपोर्ट करने और अंततः सुधार करने का एक तरीका है। एक सामाजिक ऑडिट दृष्टि/लक्ष्य और वास्तविकता के बीच, दक्षता और प्रभावशीलता के बीच अंतर को कम करने में मदद करता है।

सोशल ऑडिट अटल भूजल योजना का महत्वपूर्ण तत्व है जो योजना के प्रभाव और प्रगति का मूल्यांकन करता है।

सोशल ऑडिट के माध्यम से योजना के उद्देश्य, मंच, और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मूल्यांकन होता है।

यह ऑडिट सामाजिक प्रभाव, लाभार्थियों की संपत्ति, न्याय, और संघर्ष की स्थिति आदि को मापता है।

सोशल ऑडिट

सोशल ऑडिट उपयोगकर्ताओं की भागीदारी, संगठनों के नेतृत्व, और स्थानीय समुदायों के सहयोग का मूल्यांकन करता है।

यह योजना के लक्ष्यों की सामरिकता, सामरिक उपायों की कार्यगतता, और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में मदद करता है।

सोशल ऑडिट रिपोर्ट योजना के प्रशासनिक, नियंत्रण, और निगरानी माध्यमों को सुधारने के लिए सुझाव देता है।

प्रत्येक प्रतिभागियों को एक सोशल ऑडिट के मूल्यांकन हेतु प्रश्ननवली दी जाएंगी। जिसे भरवा कर वापिस की जाएंगी।

ततपश्चात योजना का प्रभाव मूल्यांकन कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

संपर्क जानकारी:

अधिक जानकारी या सहायता के लिए संपर्क विवरण :

IEC एक्सपर्ट : नाम.............. **मोबाईल नम्बर:..........**

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, ...

GWE एक्सपर्ट: नाम.............. **मोबाईल नम्बर:..........**

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, ...

Thank you!